आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

सेवा पाती

52 दिव्यांग जोड़े शादी के बंधन में बंधे

दिल्ली में उल्लास और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ 32 वां दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

मूल्य » ₹ 5 ● वर्ष-02 ● अंक » 24 ● मुद्रण तारीख » 1 अप्रैल-2019 ● कुल पृष्ठ » 28

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

प्रकृति ही हमारी सच्ची स्वास्थ्य रक्षक है

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

- पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज ।
- चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।
- रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।
- आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है। सम्पर्क करें:- 0294 6622222, 09649499999

/nssudaipur /narayansevasansthan /@narayanseva_ narayansevasansthan

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सेवा पाती

1 अप्रैल, 2019

वर्ष 02 अंक 24 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 28

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण सेवा संस्थान

सेवा-पाती (मासिक पत्रिका)

मुद्रण तारीख 1 अप्रैल, 2019 स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली-110006 से प्रकाशित तथा एम.पी. प्रिंटर्स नोएडा से मुद्रित।

Web » www.narayanseva.org
E-mail » info@narayanseva.org

हिरण मगरी, सेक्टर-4 उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : 0294-6622222, मो नं. : 09649499999

CONTENTS

इस माह में

पाठकों हेतु

वरिष्ठ नागरिक मन की ताकत 'बुढ़ापे का इलाज' 05

सुहाना सफर 52 दिव्यांग एवं निर्धन जोड़े शादी के बंधन में बंधे 10

स्नेह मिलन 400 से अधिक सेवा सहयोगी हुए शामिल 15

अन्य स्तंभ

- अपनों से अपनी बात 04
- पशोपेश में आज की नारी 06
- सावित्रीबाई फुले 07
- बच्चों को दें भरपूर पोषण 08
- सिख धर्म के पांचवें गुरू अर्जन देव 09
- राज्यपाल का संदेश 12
- हाथी पांव के इलाज में मदद 13
- ल्यूकेमिया पीड़ित को नया जीवन 13
- कैंसर पीड़ित कुसुम का इलाज 14
- श्री राम कथा एवं दीन बंधु वार्त्ता 16
- सहायता शिविर 17
- शहर-गांव भक्ति की रसधार 18
- झीनी-झीनी रोशनी (5) 19
- दानवीर भामाशाहों का आभार 20
- दान सहयोग हेतु अपील 21
- शिविर सहयोग 22
- भोजन-नाश्ता सहयोग 23

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

जैसा संग वैसा रंग

बुरे लोगों की संगति कभी नहीं करनी चाहिए और अच्छे लोगों का साथ भी कभी नहीं छोड़ना चाहिए,अन्यथा जीवन में सिवाय पश्चाताप के कुछ भी न मिलेगा।

रोम में एक ख्यातिप्राप्त चित्रकार थे। वह अपनी चित्रकारी में सदैव नित नए-नए प्रयोग करते और सदैव प्रशंसा पाते। एक दिन उनके मन में विचार आया कि वह एक ऐसे व्यक्ति का चित्र बनाएं जिसके चेहरे पर, करूणा, दया, मासूमियत, सरलता, निस्वार्थता आदि गुण प्रदर्शित होते हों। कई शहरों में अपनी खोज जारी रखी। अन्ततः एक गिरजाघर में उन्हें एक बालक मिला, जो उनकी कल्पना का मूर्त रूप था। उन्होंने बालक को अपने सामने बिठाकर उसका हूबहू चित्र बना दिया। उस चित्र की इतनी प्रतियाँ बिकी कि चित्रकार मालामाल हो गया। इस घटना के लगभग अठ्ठारह वर्ष बाद चित्रकार के मन में एक अत्यंत ही दुष्ट व्यक्ति का चित्र बनाने का विचार आया। वह ऐसे व्यक्ति की खोज में निकला जिसके चेहरे पर क्रूरता, धूर्तता, कपटता, जैसे दुर्गुण स्पष्ट झलकते हों। उसकी यह खोज एक जेल में पूर्ण हुई। वहाँ उसे एक कैदी मिला जो बिल्कुल उसकी सोच के अनुरूप था। चित्रकार ने कैदी के समक्ष उसका चित्र बनाने की मंशा ज़ाहिर की तो कैदी ने इसका कारण पूछा तो चित्रकार ने 18 वर्ष पूर्व उसके द्वारा एक मासूम चेहरे के बनाये चित्र को दिखाते हुए कहा कि वह अब इस इस मासूम चेहरे के विपरीत गुणों वाले चेहरे का चित्र बनाना चाहता है। चित्र को देखते ही कैदी रो पड़ा चित्रकार ने रोने का कारण पूछा तो कैदी ने कहा-यह चित्र मेरे ही बचपन का है। आश्चर्यचकित चित्रकार बोला-तुम यहां कैसे पहुँचे? उसने बताया कि मेरे भोले और निस्वार्थ स्वभाव का दुष्ट लोगों ने अनुचित लाभ उठाया। मैं जब तक उनकी चाल समझता, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसी कुसंगति के कारण मैं यहां पहुँचा। मित्रों! इस प्रसंग से सबक मिलता है कि बुरे लोगों की संगति कभी नहीं करनी चाहिए।

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

प्रार्थना का अर्थ

प्रभु हमेशा ऐसे ही लोगों की प्रार्थना स्वीकार करते हैं जो मन, वचन व कर्म से नेक होते हैं और मानवीय गुणों को संजोए रखते हैं।

यहूदी गुरू बार्डिक्टैव हर व्यक्ति को सुख-शांति के उपाय बताया करते थे। एक बार उनके पास एक व्यक्ति आया और हाथ जोड़कर बोला, 'महाराज, मैं एक गरीब गाड़ीवान हूं। गाड़ी चलाकर अपना व परिवार का भरण-पोषण करता हूं। मेरा सारा दिन काम में ही बीत जाता है और प्रभु स्मरण का जरा भी वक्त नहीं मिलता। ऐसे में मेरा कल्याण कैसे हो पाएगा? गरीब गाड़ीवान की बात सुनकर बार्डिक्टेव बोले, 'क्या तुम अपनी गाड़ी से ऐसे लोगों को भी गंतव्य तक पहुंचाते हो जो अक्षम, दिव्यांग हैं और जो किराया देने में असमर्थ हैं ?'गाड़ीवान ने कहा, 'हां, मैं दिव्यांग व गरीब से किराया नहीं लेता और सकुशल उन्हें गंतव्य तक पहुंचाता हूं। अपनी कमाई के कुछ हिस्से से बेजुबान पशु-पक्षियों को दाना भी खिलाता हूं।' गाड़ीवान की बातें सुनकर गुरू बार्डिक्टैव बोले,'भइया, तुम्हारे मन में दया भावना है जो किसी प्रार्थना से कम नहीं है। प्रार्थना का उद्देश्य भी अपने जीवन को सार्थक करना है और यह सार्थकता दूसरे रास्तों से भी पाई जा सकती है। प्रभु हमेशा ऐसे ही लोगों की प्रार्थना स्वीकार करते हैं जो मन, वचन व कर्म से नेक होते हैं और मानवीय गुणों की रक्षा करते हैं। तुम भी प्रभु के ऐसे ही बंदों में से एक हो। इसलिए तुम चिंतामुक्त होकर ऐसे ही अपने कार्य में लगे रहो जैसे अभी लगे हो। तुम्हारा कल्याण स्वतः होगा।' उनकी बातों से गाड़ीवान संतुष्ट हुआ और काम पर निकल गया। बंधुओं। सेवा के ऐसे ही अवसर आपको नारायण सेवा संस्थान में उपलब्ध होंगे। उदयपुर में 13 अप्रेल को चैत्र नवरात्रा की अष्टमी को बड़ी संख्या में उन दिव्यांग कन्याओं का पूजन होगा, जिनके नवरात्रा के दौरान संस्थान में निःशुल्क ऑपरेशन सम्पन्न होंगे। इसमें सहभागी बनकर आपश्री पुण्यार्जन करें।

वरिष्ठ नागरिक

मन की ताकत 'बुढ़ापे का इलाज'

भारत रत्न से सम्मानित डॉ. मोक्षगुण्डम् विश्वेश्वरैया ने सौ वर्ष से अधिक की आयु पाई और अन्त तक सक्रिय जीवन व्यतीत किया। एक बार एक व्यक्ति ने उनसे पूछा-'आपके चिर यौवन का रहस्य क्या है? डॉ. विश्वेश्वरैया ने जवाब दिया-'जब बुढ़ापा मेरा दरवाजा खटखटाता है तो मैं भीतर से बोलता हूँ कि विश्वेश्वरैया घर पर नहीं है। बुढ़ापे से मेरी मुलाकात हो नहीं पाती तो वह मुझ पर हावी कैसे हो सकता है?

जैसा मन वैसा तन। जब कोई बूढ़ा न होने की ठान लेता है तो वह चिर युवा बना रहता है अंत तक सक्रिय व सक्षम भी। वस्तुतः मनुष्य उतना ही बूढ़ा या जवान है जितना वह अनुभव करता है। बुढ़ापा तन का नहीं, मन का होता है.....।

मन जवां तो तन जवां। आप की सोच इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण है अतः सोच में सकारात्मक परिवर्तन द्वारा सदैव युवा बने रहें और सक्रिय जीवन व्यतीत करें। वैसे भी यदि आप सक्रिय जीवन व्यतीत करते हैं तो बुढ़ापा पास नहीं फटकता।

- अपनी दिनचर्या को नियमित रखें तथा समय पर सब काम पूरें करें।
- पर्याप्त नींद लें। अधिक सोना और कम सोना दोनों ही अच्छे स्वास्थ्य के शत्रु हैं।
- नजदीक आने-जाने के लिए वाहन का प्रयोग करने के बजाय पैदल आएं-जाएं।
- अपना छोटा-मोटा सामान खुद उठाएं और पैदल चलकर घर आएं। सीढ़ियों पर बार-बार चढ़ने-उतरने और इधर-उधर आने-जाने को परेशानी का कारण न मानें अपितु इसे व्यायाम के रूप में लें।
- हंसना न केवल एक अच्छा व्यायाम और उपचारक क्रिया है अपितु तनावमुक्ति का साधन भी है।
- खूब ठहाके लगाएं।
- मन को सकारात्मक विचारों से ओतप्रोत रखें। इसके लिए नियमित रुप से प्रेरणास्पद साहित्य पढ़ें।
- आत्म विश्वास से भरपूर रहें। विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल को ऊंचा बनाए रखें।
- भावनात्मक संतुलन बनाएं रखें।छोटी - छोटी बातों पर भावुक न हों।
- मानसिक रुप से चुस्त - दुरुस्त बने रहने के लिए दिमागी कसरत करते रहें। वर्ग पहेली भरने अथवा गणित के सवाल निकालने से व्यक्ति दिमागी तौर पर अधिक सक्रिय रहता है।
- भोजन के संबंध में विशेष रुप से सतर्क रहें। फास्ट फूड व जंक फूड की बजाय सादा व प्राकृतिक भोजन को लें। भोजन में ताजा फल-सब्जियों की मात्रा अधिक होनी चाहिए ताकि पर्याप्त मात्रा में एंटीआक्सीडेंट मिल सकें।

बढ़ती उम्र के अहसास को परिवर्तित करके, विषाक्त मनोभावों तथा आदतों से छुटकारा पाकर जीवन में सक्रियता अथवा क्रियाशीलता बनाए रखकर जीवन में लचीला होने की विधि सीखकर तथा अपने जीवन से प्रेम को अत्यधिक महत्वपूर्ण तत्व बनाकर हम सदैव युवा बने रह सकते हैं।

बुढ़ापे से बचने तथा चिरयुवा बने रहने के लिए मन में नियमित रुप से निम्नलिखित स्वीकारोक्तियां करें:

- मैं एकदम युवा हूं और मेरा स्वास्थ्य बहुत अच्छा है।
- प्रतिदिन हर तरह से मैं अधिकाधिक स्वस्थ्य हो रहा हूं।
- प्रतिदिन हर तरह से मैं अधिकाधिक स्वस्थ हो रहा हूं ।
- निर्भय होकर मैं अत्यंत सक्रिय, साहसी तथा अनुशासित जीवन व्यतीत कर रहा हूं।
- मेरी प्रकृति में लचीलापन है तथा मैं जीवन में परिवर्तनों तथा चुनौतियों को स्वीकार करता हूं। मैं आत्मविश्वास तथा उत्साह से परिपूर्ण हूं।
- मैं विषाक्त मनोभावों तथा आदतों से मुक्त हूं।
- नकारात्मक विचार एवं नकारात्मक सुझावों का मेरे ऊपर तथा मेरे मन के किसी भी स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- प्रेम, करुणा, देखभाल मेरे जीवन के महत्वपूर्ण तत्व हैं।
- जीवन मेरे लिए एक अमूल्य उपहार है तथा मैं सम्पूर्ण चेतनता के साथ जीवन का आनंद उठाता हूं।

आधी दुनिया

पशोपेश में आज की नारी

नारी या महिला पर बात करना बहुत मुश्किल है। ये अनेक भागों में बंटी है। शहरी-ग्रामीण शिक्षित-अशिक्षित,घरेलू-नौकरी पेशा आदि। एक छद्म एहसास है कि केवल ग्रामीण, अशिक्षित और बेरोज़गार महिला ही वंचित है जिसे सशक्त करने की आवश्यकता है। मेरा मानना है कि हर महिला की अपनी चुनौतियां हैं, कठिनाइयां हैं।

अबकी बार औरों से इतर शहरी पढ़ी लिखी, नौकरी पेशा सशक्त (?) महिला की बात करने की इच्छा है। इस श्रेणी की महिला की यदि बोन्साई प्लांट से तुलना की जाए तो ज़्यादा बेहतर होगा। समाज की इनसे जो अपेक्षाएं हैं वो विरोधाभासी हैं। वो इस महिला को पंख तो देता है लेकिन पांव में बेड़ियां पहना कर। बोन्साई प्लांट की तरह इसमें एक बड़े विशाल वृक्ष की भांति सभी विशेषताएं तो हों, लेकिन कद एक निश्चित सीमा के बाद न बढ़ने पाए। ज़रा सा बाहर आते ही कटाई-छंटाई शुरू... निश्चित लम्बाई और चौड़ाई। इतने तय मापदंड हैं कि यदि वो चुप रहती हैं तो डरपोक, बोलती है तो बदचलन, झुकती हैं तो कमज़ोर, उठती हैं तो विद्रोही। बड़ी पेशोपेश में है ये नारी। तमाम अपेक्षाओं के कोलाहल को सीने में दबाए अच्छी बुरी यादों-वादों और इरादों की अनेकों सतहों पर तैरती महिला को सशक्तिकरण की आभासी दुनिया से बाहर लाकर वास्तविक सशक्त करने में परिवार व समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपरी भागीदारी सुनिश्चित करे।

औरों की अपेक्षाओं पर खरी उतरने का सार्थक प्रयास करती, कल, आज और कल के बीच समानुपातिक संतुलन बिठाने का सतत् जतन करती, पश्चिम की संस्कृति का अंधा अनुकरण करती महिला को भी चाहिए कि वो स्वतंत्रता और स्वच्छन्दता में फर्क समझे। अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करे। भारतीय समाज चिरकाल से विश्व मानस पटल पर अपनी अक्षुण्ण परम्परा को अंकित करता आया है, जिसकी महती ज़िम्मेदारी महिला की भी है। इतने विकास के बावजूद भी महिला आज भी समाज की धुरी है। महिला, 'मैं ही' की जगह 'मैं भी' में विश्वास करे तभी एक सुदृढ़, स्वस्थ, सफल और खुशहाल समाज स्थापित हो पाएगा और हम अपने पूर्वजों की सांस्कृतिक धरोहर आने वाले पीढ़ी को हस्तांतरित कर पाएंगे। मनन् करें ...

डॉ. गायत्री तिवारी
म.प्र.कृ.प्रौ.वि.वि., उदयपुर

नारी रत्न

सावित्रीबाई फुले

इतिहास इस बात का गवाह है कि जब-जब समाज और राष्ट्र में शोषण, अन्याय और अत्याचार बढ़ता है और मूलभूत मानवीय अधिकारों का हनन होने लगता है, तो उस समाज में इस दमन-चक्र के खिलाफआवाज उठाने के लिए कोई महापुरूष जन्म लेता है। सावित्रीबाई फुले ऐसे ही आदर्शों की महान श्रृंखला की एक गौरवशाली कड़ी थी, जो देश में सामाजिक क्रांति एवं नारी शिक्षा के साथ-साथ देश के हजारों गरीब, प्रताड़ित तथा शोषित लोगों की एक सशक्त आवाज बनकर उभरीं और अपने व्यक्तिगत सुख-दुख को तिलांजलि देकर पूरा जीवन देश में एक अभिनव शिक्षा क्रांति के लिए समर्पित कर दिया।

सावित्राबाई फुले का जन्म महाराष्ट्र के सतारा जिले की खण्डाला तहसील के नायगांव में माली परिवार में 3 जनवरी 1831 को हुआ। इनके पिता का नाम खन्दोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मी देवी था। सावित्रीबाई का विवाह 1840 में ज्योतिबा फुले से हुआ। वे भारत की जुझारू समाज सुधारिका, महान राष्ट्रनायिका एवं मराठी कवयित्री थीं। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव (ज्योतिबा) गोविंदराव फुले के साथ मिलकर स्त्रियों के अधिकारों एवं शिक्षा के लिए बहुत कार्य किए। ज्योतिबा ने अशिक्षित पत्नी सावित्रीबाई को शिक्षित करने का बीड़ा उठाया। उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन पत्नी को शिक्षित और प्रशिक्षित किया। उन्हें देश की प्रथम शिक्षिका बनाकर नारी उत्थान का मार्ग ही प्रशस्त कर दिया। उन्होंने न केवल शिक्षित किया बल्कि जन-जन को शिक्षित करने की जिम्मेदारी भी दी। शिक्षित होकर सावित्री बाई ने कन्याशाला प्रारंभ की, जिसके खिलाफ कट्टरपंथियों ने मोर्चाबंदी की और उन्हें तरह-तरह से परेशान करना प्रारंभ कर दिया। उन्होंने पिता गोविंदराव को दबाव में लाकर फुले दंपति को घर से बहिष्कृत करवा दिया, क्योंकि उनके पिता भी नारी शिक्षा को अनुचित मानते थे।

सावित्राबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। महात्मा ज्योतिबा को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में माना जाता है। ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए सावित्रीबाई के सरंक्षक, गुरू और समर्थक थे। सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह करवाना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। वे एक कवयत्री भी थीं उन्हें मराठी की आदि कवयित्री के रूप में भी जाना जाता था।

सावित्रीबाई फुले अपने कार्यों से समाज में सदा अमर रहेंगी। उनके प्रति आभार, सम्मान, और उनके योगदान को स्मरण करने के लिए भारत में सावित्रीबाई फुले के जन्मदिन 3 जनवरी को 'भारतीय शिक्षा दिवस' के रूप में मनाया जाता है। भारत सरकार ने सावित्रीबाई फुले के सम्मान में 1997 में दो रूपये का डाक टिकट भी जारी किया।

बालवाड़ी

बच्चों को दें भरपूर पोषण

महानगरों की जीवनशैली में बाजार के भोजन का सेवन बहुत बढ़ गया है। इस वजह से नई पीढ़ी में कुछ व्यावहारिक समस्याएं पैदा हो रही हैं। इससे बचाव के लिए कुछ उपाय अपनाए जा सकते हैं। अपने बच्चे के भोजन में क्या बदलाव लाएं और कैसे, आइए जानें।

बच्चे आहार के मामले में काफी संवेदनशील होते हैं। उनका दिमाग और शरीर विकास की अवस्था में रहता है, इसलिए उन्हें कितना और क्या खाना चाहिए, इस बात पर ध्यान देना बहुत ज़रूरी है। आप कुछ ज़रूरी बातों पर ध्यान देकर अपने बच्चों के आहार को संतुलित बना सकते हैं और उनकी सेहत सुधार सकते हैं।

बच्चों की आम समस्याएं

आमतौर पर बच्चों में एकाग्रता में कमी, उग्रता,स्मरणशक्ति में कमी, असामाजिक व्यवहार, पढ़ाई के बोझ से उबर न पाना आदी समस्याएं दिखती हैं। उनके खान - पान की गलत आदतों एवं भोजन में पोषक तत्वों में कमी की वजह से ऐसा हो रहा है।

क्या हैं बचाव के उपाय

- स्नैक्स में अनाज के सैंडविच, इडली,डोसा, स्प्राउट्स आदि हो तो अच्छा है।
- सोफ्ट ड्रिंक और मीठे पेय पदार्थों की बजाय बच्चे को पानी पीने को प्रोत्साहित करें। समय - समय पर नींबू पानी भी दें।
- बच्चों के खान- पान में शर्करा की मात्रा कम रहे, इस बात का ध्यान रखें।
- स्कूल फूड में पैकेज्ड फूड को नजरअंदाज करें।
- बच्चें को हानिकारक खाद्य पदार्थ के बुरे प्रभावों के बारे में बताएं और यह भी बताएं कि कौनसा खाना कब खाएं।
- उन्हें बाजार की चीजें खाने से रोकें और उनके नुकसान समझाएं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

- कई विटामिनों की कमी बच्चों को चिड़चिडा बना देती है। नियासिन, 4 पैंटोथेनिक एसिड, 5 थाइमिन 6, विटामिन बी 67, विटामिन सी 8 इनमें शामिल हैं।
- न्यूट्रीशियन की कमी से किशोर प्रायः चिड़चिड़े हो जाते हैं।
- बाइपोलर डिस्ऑर्डर (एक तरह की मानसिक परेशानी) के अधिक उपयोग से ठीक हो सकती है, क्योंकि उनमें प्राकृतिक लीथियम रहता है।
- आयरन की कमी बच्चों में उग्रता पैदा कर रही है। आयरन की कमी ही किशोर के उग्र व्यवहार के लिए जिम्मेदार है।
- जिंक, आयरन, विटामिन बी, प्रोटीन की कमी की वजह से बच्चे का आईक्यू कम हो जाता है जो बाद में उनसे असामाजिक बना देता है। ये सारे पोषक तत्व दिमाग के विकास के लिए जरुरी हैं।
- ऑटिज्म के शिकार हुए बच्चों में विटामिन ए, बी1, बी 3, बी 5 के अलावा बायोटिन, मैगनीशियम, सेलेनियम और ज़िंक जैसे पोषक तत्वों की कमी होती है।

महापुरूष

जो सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी खूब लड़े

सिख धर्म के पांचवें गुरू अर्जन देव

सिख धर्म के पांचवें गुरू अर्जन देव सर्वधर्म समभाव के प्रखर पैरोकार होने के साथ-साथ मानवीय आदर्शों के लिए आत्म बलिदान करने वाले एक महान आत्मा थे। उनका जन्म सिख धर्म के चौथे गुरू, गुरू रामदासजी व माता भानीजी के घर 15 अप्रैल 1563 को गोइंदवाल अमृतसर, पंजाब में हुआ।

गुरू अर्जनदेवजी की निर्मल प्रवृति, सहृदयता, कर्तव्यनिष्ठता तथा धार्मिक एवं मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण भावना को देखते हुए गुरू रामदासजी ने 1581 में पांचवें गुरू के रूप में उन्हें गुरू गद्दी पर सुशोभित किया। इस दौरान उन्होंने गुरूग्रंथ साहिब का संपादन किया, जो मानव जाति को इस पंथ की सबसे बड़ी देन है। संपूर्ण मानवता में धार्मिक सौहार्द पैदा करने के लिए अपने पूर्ववर्ती गुरूओं की वाणी को जगह-जगह से एकत्र कर उसे धार्मिक ग्रंथ में परिष्कृत किया। गुरूजी ने स्वयं की उच्चारित 30 रागों में 2,218 शबदों को भी श्री गुरूग्रंथ साहिब में दर्ज किया है।

14 अप्रैल: जयंती विशेष

यह उन दिनों की बात है, जब बाला और कृष्णा पंडित कथाएं करके लोगों को खुश करते हुए अपना जीवन यापन किया करते थे। एक दिन वे गुरू अर्जन देव जी के दरबार में उपस्थित हुए और प्रार्थना करने लगे-महाराज.....। हमारे मन में शांति नहीं है। आप ऐसा कोई उपाय बताएं जिससे हमें शांति प्राप्त हो। तब गुरू अर्जन देवजी ने कहा- अगर मन की शांति चाहते हो तो जैसे आप लोगों को कहते हो उसी प्रकार आप भी अनुसरण करो, अपनी कथनी पर अमल किया करो। परमात्मा को संग जानकर उसे याद रखा करो। अगर आप सिर्फधन इकट्ठा करने के लालच से कथा करोगे तो आपके मन को शांति कदापि प्राप्त नहीं होगी। बल्कि उल्टा आपके मन का लालच बढ़ता जाएगा और पहले से भी ज्यादा दुखी हो जाओगे।

कथा करने के अपने तरीके में बदलाव कर निष्काम भाव से कथा करो, तभी तुम्हारे मन में सच्ची शांति महसूस होगी। अपने ऐसे पवित्र वचनों से दुनिया को उपदेश देने वाले गुरूजी का मात्र 43 वर्ष का जीवनकाल अत्यंत प्रेरणादायी रहा। वे आध्यात्मिक चिंतक एवं उपदेशक के साथ ही समाज सुधारक भी थे। अपने जीवन काल में गुरूजी ने धर्म के नाम पर आडंबरों और अंधविश्वास पर कड़ा प्रहार किया। सती प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी वे डंटकर खड़े रहे। गुरू अर्जन देवजी ने 'तेरा कीआ मीठा लागे, हरिनाम पदारथ नानक मांगे' शबद का उच्चारण करते हुए सन् 1606 में अमर शहीदी प्राप्त की।

सुहाना सफ़र

52 दिव्यांग निर्धन जोड़े शादी के बंधन में बंधे

दिल्ली में उल्लास और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ 32 वां सामूहिक विवाह समारोह

पोलियो से ग्रस्त या जन्म से दिव्यांग व्यक्तियों सहित दिव्यांगों की निशुल्क सर्जरी के लिए अस्पताल चलाने वाले धर्मार्थ संस्थान नारायण सेवा संस्थान ने एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह की मेजबानी करते हुए 52 दिव्यांग और आर्थिक रूप से निराश्रित जोड़ों के विवाह की खुशी दोगुनी कर दी।

नारायण सेवा संस्थान की ओर से देश के विभिन्न राज्यों से चुने गए यह जोड़े 2-3 मार्च को दो दिवसीय 32वें 'दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह-2019' में शादी के बंधन में बंध गए। नारायण सेवा संस्थान ने इससे पूर्व 31 सामूहिक विवाह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं और 1,300 से अधिक जोड़ों को अपनी नई पारी शुरू करने में मदद की है। इस दौरान कन्यादान में घरेलू उपयोग के उपकरणों और उपहारों को देकर विवाहित जीवन की शुरुआत में मदद की गई। इस सामूहिक विवाह समारोह में इनके परिवारों के लगभग 3000 मेहमानों ने भाग लिया और इन जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

'नारायण सेवा संस्थान पिछले 18 वर्षों से दिव्यांग विवाह का आयोजन कर रहा है। नारायण सेवा संस्थान के सभी प्रयासों का उद्देश्य दिव्यांगों और निर्धन व्यक्तियों को सहायता प्रदान करना है ताकि उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाया जा सके। संस्थान न केवल चिकित्सा सर्जरी, शिक्षा और कौशल विकास के साथ

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

दिव्यांगों का सहयोग करता है बल्कि उनकी सामाजिक जरूरतों का भी ख्याल रखता है, जैसे कि उन्हें जीवन साथी खोजने में मदद करना, उन्हें अपना घर बसाने और जीवन शुरू करने में मदद करना आदि।'

उदाहरण के लिए धूलिया (महाराष्ट्र) की जया और दीपक की जोड़ी ने भी सामूहिक विवाह समारोह के इस असाधारण कार्यक्रम में शादी की है। वे दोनों नारायण सेवा संस्थान में आए थे, जहां जया के परिवार ने पाया कि दीपक उसके लिए सबसे अच्छा जीवन साथी हो सकता है। उन्होंने 32वें 'दिव्यांग एवं निर्धन शाही सामूहिक विवाह समारोह 2019' के तहत अपने विवाह समारोह की व्यवस्था में मदद के लिए नारायण सेवा संस्थान से संपर्क किया। जया और दीपक ने नारायण सेवा संस्थान से कौशल विकास प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है जिससे उनके कॅरियर को दिशा मिली। जया नारायण सेवा संस्थान की चिल्ड्रन एकेडमी में पेंटिंग शिक्षक के रूप में काम कर रही हैं और दीपक संस्थान से ही मोबाइल मरम्मत में डिप्लोमा हासिल करने के बाद अपना उद्यम शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

राज्यपाल का संदेश व अखबार की सुर्खियों में विवाह

राजभवन
जयपुर - 302006

सत्यमेव जयते

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर एवं दिल्ली आश्रम द्वारा दिनांक 03 मार्च, 2019 को विशाल निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

इस आयोजन में शामिल होने की मेरी इच्छा थी, मगर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों की व्यस्तता के कारण कार्यक्रम में मैं शामिल नहीं हो पा रहा हूँ।

आयोजन के लिए शुभकामनाएँ।

(कल्याण सिंह)

MASS MARRIAGES

Kailash Manav, founder of Narayan Seva Sansthan, and its president Prashant Agarwal give blessings to 52 specially abled & underprivileged couples, at the Rajouri Gardens, in the Capital on Saturday. SNS

52 differently-abled couples tie knot at mass wedding

New Delhi: Fifty-two couples belonging to the differently-abled and economically weaker sections (EWS) tied the knot at a mass wedding here on Saturday.

Chosen from different states of the country by charitable organisation Narayan Seva Sansthan (NSS), these couples tied the knot in the two-day-long gala ceremony.

"The couples got household routine appliances and gifts as 'kanyadaan' (marriage ritual) to start their new married life," Prashant Agarwal, president of the NSS, said. They also got skill development training from the NGO, Agarwal said.

Among those who married are Jaya and Deepak from Dhulia in Maharashtra. Similarly, Surajmal and Eitri, Lalita and Ganesh and Nakkalal and Kripa from Rajsthan; Gulab and Bibi from Uttar Pradesh and Bankim and Kavita from West Bengal were among the couples who got married, he added.

अनोखे अंदाज में दिव्यांग जोड़ों ने रचाई मेहंदी

राजौरी गार्डन में चल रहा 52 दिव्यांग जोड़ों का विवाह समारोह

वेस्ट दिल्ली, 2 मार्च (नवोदय टाइम्स): राजौरी गार्डन में 2 व 3 मार्च को 52 दिव्यांग व निर्धन जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस अनोखे विवाह समारोह में शनिवार शाम सर्वप्रथम गणपति महाराज की स्थापना की गई। इसके बाद देश दुनिया से यहां पर आए सैकड़ों भामाशाहों व दानदाताओं को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। क्योंकि इन्हीं लोगों के सहयोग से प्रत्येक वर्ष इतने साल बाद के साथ दिव्यांगों के सामूहिक विवाह का आयोजन हो पाता है।

इस दौरान दुल्हनों और दूल्हों ने हाथों में मेहंदी रचाई। एक साथ इतने नव युगलों की मेहंदी रस्म का दृश्य खासा आकर्षक रहा। समारोह में जिन दिव्यांगों व निर्धन जोड़ों के परिजन मौजूद थे, उन्होंने नव युगलों को आशीर्वाद दिया। जिनके परिजन किसी कारणवश कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए, उनको भामाशाहों ने आशीर्वाद दिया। नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि विवाह समारोह हिंदू रीति, रिवाज के अनुसार कराया जा रहा है। जिसमें हर छोटी बड़ी रस्म का पूरा ख्याल रखा जाता है। इस बार महाराष्ट्र की जया व दीपक का विवाह खास है। दोनों नारायण सेवा संस्थान में मिले और शादी करने का फैसला लिया। नारायण सेवा संस्थान से दोनों को कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त है। आज जया एनजीओ संचालित स्कूल में पेंटिंग टीचर हैं। दीपक मोबाइल रिपेयरिंग का उद्यम शुरू करने जा रहे हैं।

विवाह समारोह में एक दुल्हन को मेहंदी लगाई जा रही है।

राजौरी गार्डन में 32वें दिव्यांग और निर्धन व्यक्तियों के सामूहिक विवाह समारोह में 52 दिव्यांग व निर्धन जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। अमर उजाला

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

चिकित्सा सहायता

हाथी पांव के इलाज में मदद

उत्तरप्रदेश के इटावा शहर में छात्र विवेक को 'हाथीपांव' रोग से मुक्त कराने का सेवा परमोधर्म ट्रस्ट नारायण सेवा संस्थान ने बीड़ा उठाया है। खेतीहर शैलेश का पुत्र विवेक गत 6 वर्ष से इस रोग से ग्रस्त था और ज्यों-ज्यों उम्र बढ़ी चलने-फिरने और उठने बैठनें में भी उसे ज्यादा परेशानी होने लगी। खेती भी इतनी नहीं थी कि 5-6 सदस्यीय परिवार का खर्च पूरा हो सके, बावजूद इसके विवेक के पांव का विभिन्न अस्पतालों में तीन बार ऑपरेशन हुए, किन्तु सभी नाकाम रहे।

पिछले दिनों केरल के एक अस्पताल में चेकअप कराने के बाद रोग से मुक्त होने की आशा जगी। डॉक्टरों ने आश्वस्त किया कि ऑपरेशन के बाद हालात में 75 प्रतिशत सुधार आ जाएगा। लेकिन ऑपरेशन खर्च सुनकर विवेक और उसके पिता हताश हो गए। क्योंकि पूर्व की जमा पूंजी और कर्ज से कराए गए तीनों ऑपरेशन नाकाम हो चुके थे। गरीब किसान अब एक मुश्त 75 हजार की राशि खर्च करने में असमर्थ था।

पिछले दिनों सेवा परमो धर्म ट्रस्ट-नारायण सेवा संस्थान से सम्पर्क करने पर, विवेक के इलाज का संपूर्ण व्यय ट्रस्ट ने वहन करने का निश्चय करते हुए, उसे राशि उपलब्ध करवाई। हॉल ही में सफलतापूर्वक पांव का ऑपरेशन भी संपन्न हो गया है।

ल्यूकेमिया पीड़ित मासूम को मिला नया जीवन

राजस्थान के जोधपुर शहर में महज 1 साल की मासूम को जन्म के कुछ माह बाद ही ल्यूकेमिया नामक बीमारी ने जकड़ लिया। शहर के प्रतापनगर मोहल्ला निवासी ऑटो ड्राईवर विक्रम सांचोरा बेटी की जान पर मंडराते खतरे से परेशान हो गए। वे पहले से ही पत्नी की थाइराइड की समस्या से दुखी थे। चिकित्सकों के अनुसार बोनमेरो ट्रांसप्लांट से ही बच्ची की जान बचाई जा सकती है, लेकिन परिवार के सामने आर्थिक तंगी थी और वह इलाज करवाने में अपने को असमर्थ पा रहा था। अहमदाबाद के एक अस्पताल में दिखाने पर डॉक्टरों ने इसका बड़ा खर्च बताया। मासूम समृद्धि के बडे भाई युवराज का बोनमेरो समृद्धि से मेच तो हो गया लेकिन ट्रांसप्लांट के लिए पहाड़ सा खर्च जुटाना विक्रम के लिए आसमान से तारे तोड़ने के समान था। इसी दौरान जोधपुर के ही किसी सज्जन ने उन्हें नारायण सेवा संस्थान से संपर्क करने की सलाह दी। सांचोरा के मन में उम्मीद की किरण जगी और उन्होंने उदयपुर आकर संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल से भेट कर उन्हें अपनी आर्थिक स्थिति और बच्ची के बोनमेरो ट्रांसप्लांट संबंधी डॉक्टरों की सलाह और उसमें होने वाले खर्च की जानकारी दी। जिस पर संस्थान की ओर से इलाज में होने वाले खर्च में आर्थिक सहयोग 4.50 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए। समृद्धि का हाल ही में जयपुर- दिल्ली के विशेषज्ञ चिकित्सालयों में उपचार संपन्न हुआ और वह स्वास्थ्य लाभ ले रही है।

कैंसर पीड़ित कुसुम का इलाज आरंभ

➲ नारायण सेवा संस्थान कैंसर पीडित महिला का इलाज करवाएगा। संस्थान की नरवाना शाखा के संयोजक धर्मपाल गर्ग ने बताया कि करनाल जिले के सांभली गांव निवासी कुसुम देवी पिछले कुछ समय से कैंसर पीड़ित है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिजन इलाज करवाने में सक्षम नहीं थे। नरवाना शाखा ने केंसर अस्पताल में उनकी जांच करवाई। डॉक्टरों ने इलाज का खर्च करीब 5 लाख रुपये बताया। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने संस्थान की मदद से इलाज पर सहमति व्यक्त की। उपचार खर्च की पहली किस्त सवा दो लाख रुपये संबंधित चिकित्सालय के खाते में जमा करवा दिए गए। उपचार आरंभ हो गया है। कुसुम और उनके परिवार ने संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, नरवाना शाखा संयोजक श्री धर्मपाल गर्ग, शाखाध्यक्ष रमेश मित्तल, राजेन्द्र गर्ग, राजेश गुप्ता, रमेश सिंघला, मनोज शर्मा, गौतम पांचाल, अचल मित्तल,संजय मित्तल, रमेश वत्स, हैप्पी मित्तल व अनिल वत्स के प्रति आभार जताया है।

राइफल-पिस्टल शूटिंग में 13 का चयन

➲ संस्थान में 25 फरवरी से 3 मार्च तक सम्पन्न सप्त दिवसीय राइफल एवं पिस्टल शूटिंग प्रशिक्षण शिविर में अगले चरण के गहन प्रशिक्षण के लिए 13 छात्रों का चयन किया गया। जिनमें सेवा परमो धर्म ट्रस्ट के किशन भगोरा, नरेश गमार, सुरेश, रामलाल पारगी, रविन्द्र बम्बुरिया, नरेश बम्बुरिया तथा भगवान महावीर बालगृह के ललित कुमार, राजेन्द्र, लक्ष्मण पारगी, मेघराज गमार, कैलाश मीणा, किशन पारगी व रमेश कुमार शमिल हैं। ये सभी कक्षा 6 से 12 तक के विधार्थी हैं। संस्थान के सेवा महातीर्थ बड़ी स्थित नारायण चिल्ड्रन एकेडमी परिसर में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। शिविर प्रभारी विकास कुमार तथा कोच तीरथपाल सिंह राठौड़ थे।

जूडो- कराटे चयन शिविर

➲ नारायण सेवा संस्थान की ओर से कमबाट मार्शल आर्ट्स एंड फिटनेस एकेडमी में 4 से 10 मार्च तक सम्पन्न सप्त दिवसीय जूडो-कराटे प्रशिक्षण शिविर में अगले चरण के गहन प्रशिक्षण के लिए 20 छात्रों का चयन किया गया। जिनमें सेवा परमो धर्म ट्रस्ट के लक्ष्मण, जितेन्द्र व जगदीश तथा भगवान महावीर बालगृह के जितेन्द्र, रविन्द्र व ललित भी शामिल हैं। ये सभी कक्षा 6 से 12 तक के विधार्थी हैं। शिविर में 33 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। प्रभारी विकास कुमार व कोच कपिल सोनी व हेमलता गरासिया थे।

श्रद्धांजलि

➲ सिकंदराबाद (हैदराबाद - तेलंगाना निवासी संस्थान सहयोगी एवं आध्यात्मिक साधक महर्षि डॉ. योगीराज जी का 28 फरवरी 2019 को देवलोकगमन हो गया। उनके निधन पर समुदाय तथा संस्थान के साधको ने गहरा शोक व्यक्त किया है। संस्थान संस्थापक श्री कैलाश जी मानव व अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महर्षि डॉ योगीराज अपने पीछे व्यथित हृदय स्नेहलता रॉय (गुरु मां) सहित समृद्ध परिवार छोड़ गए है।

महाशिवरात्रि पर चिकित्सा शिविर

➲ नारायण सेवा संस्थान के चैनराज सावंतराज पोलियो हॉस्पीटल में 4 मार्च को बड़ी स्थित लियो के गुड़ा में भजन गायक कमलेश मेनारिया ने महाशिवरात्रि पर्व पर 101 जन्मजात पोलियोग्रस्त बच्चों के निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने मूक-बधिर व विमंदित बच्चों द्वारा तैयार हस्तशिल्प एवं दिव्यांगो के लिए चलाए जा रहे निःशुल्क रोजगारपरक प्रशिक्षण केन्द्रों तथा केलीपर वर्कशॉप का अवलोकन भी किया। अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि इस चिकित्सा शिविर में विभिन्न राज्यों के बच्चे शामिल हैं। संचालन आदित्य चौबीसा ने किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

स्नेह मिलन

400 से अधिक सेवा सहयोगी हुए शामिल

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में 17 फरवरी को सेवा महातीर्थ,बड़ी में संस्थान सहयोगियों का स्नेह सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें विभिन्न राज्यों के 400 से अधिक सेवा सहयोगी उपस्थित थे। संस्थान संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी मानव एवं सह संस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी के सानिध्य में हुए सम्मेलन में दिव्यांग एवं निर्धनजन के लिए निःशुल्क सेवा प्रकल्पों को और अधिक गति देने पर विचार किया गया। संस्थान के सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए पूज्य श्री मानव जी ने कहा कि दिव्यांगजन की निःशुल्क चिकित्सा के साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरु किए गए विभिन्न रोजगारोन्मुख प्रशिक्षणों के माध्यम से जहां बडी संख्या में दिव्यांग रोजगार से जुड़े हैं, वहीं 1300 से अधिक दिव्यांग व निर्धन जोड़ों के निःशुल्क विवाह करवाएं गए हैं। संस्थान की नारायण चिल्ड्रन एकेडमी व भगवान महावीर बाल गृह के मूकबधिर एवं प्रज्ञाचक्षु बालकों ने जिम्नास्टिक एवं देश भक्ति परक नृत्य-गीतों की प्रस्तुतियां दी। दिव्यांग योगेश एवं जगदीश ने व्हील चेयर पर शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया। एक वृहद रंगोली के माध्यम से पुलवामा में आतंकियों के हमले में शहीद हुए जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने सहयोगियों का स्वागत करते हुए संस्थान द्वारा देश-विदेश में दिव्यांगजनों की सहायतार्थ लगाए गए सेवा शिविरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेवा और परोपकार तभी हो सकते हैं जब व्यक्ति में संवेदना और भावना हो। सम्मेलन का उद्घाटन श्री कैलाश जी मानव व मुख्य अतिथि चारुलताबेन व भगवानभाई लन्दन, रमणीक भाई औरंगाबाद, व कमला देवी जी ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। विशिष्ट अतिथि श्रीमती कुसुम जी गुप्ता दिल्ली ,रानी दुलानी जी मुम्बई, तरुणा जी पटेल व कोकिलाबेन सूरत, जसवंत भाई व वल्लभभाई अहमदाबाद, रविशंकर जी भट्ट बड़ौदा थे। सम्मेलन को सहसंस्थापिका कमलादेव जी, निदेशक- ट्रस्टी श्री देवेन्द जी चौबीसा, वरिष्ठ साधक भगवान प्रसाद गौड़ व गोपेश कुमार शर्मा ने भी संबोधित किया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवा कार्यो के लिए सहयोगियों को 'सेवा मनीषी' सम्मान प्रदान किया गया। सम्मेलन के दूसरे दिन सेवा सहयोगियों ने नगर भ्रमण के साथ श्रीनाथ जी के दर्शन भी किए। संचालन महिम जैन ने किया।

पाली

राजस्थान के पाली शहर में 24 फरवरी 2019 को होटल मिंट इंटरनेशनल मे आयोजित आत्मीय स्नेह मिलन एवं भामाशाह सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथि श्री कांतिलाल मूथा, मीठा लाल जी शर्मा, रामलाल मोबारसा, के.एम शर्मा व मनोज जी मेहता थे। अतिथियों व भामाशाहों का सम्मान प्रभारी साधक श्री राजमल व भंवर सिंह ने तथा संचालन श्री सुशील कौशिक ने किया।

अजमेर 10 फरवरी 2019 को मारवाड़ी पंचायती अग्रवाल धर्मशाला,अजमेर में आयोजित आत्मीय स्नेह मिलन एवं भामाशाह सम्मान समारोह में मुख्य अथिति अजमेर शाखा अध्यक्ष श्री गोपाल जी मित्तल थे। विशिष्ट अतिथि श्री गुलाब जी मेघानी, श्रीमती पार्वती जी गौड़, श्रीमती चंद्रकला जी जिरोतिया,शाखा प्रेरक किशनगढ़-श्री सत्यनारायण जी कुमावत, श्री प्रेम नारायण जी मित्तल थे। फतह सिंह चौहान एवं विक्रम सिंह चौहान ने अतिथियों का स्वागत व संचालन श्री ओमपाल सीलन ने किया।

सत्संग

श्री राम -कृष्ण कथा एवं दीन बंधु वार्ता

संस्थान के लियों का गुड़ा (बड़ी) स्थित सेवा महातीर्थ में 26 से 28 फरवरी व 5 से 8 मार्च 2019 तक पूज्य गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने 'श्रीराम- कृष्ण अवतार कथा' के पारायण के साथ निशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए संस्थान में आए दिव्यांग भाई-बहिन एवं उनके परिजनों से अपने विचार साझा किये। 'संस्कार' व 'आस्था चैनलों पर देश भर में प्रसारित उनके विचारों को यहां संक्षिप्त रुप से प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्री महिम जैन।

राम-कृष्ण कथा अमृत का प्रवाह

जहां से हमारा मूल है, वह नारायण है। मूल की पहचान ही हमारा कर्तव्य है। मनुष्य को अपने कर्तव्य का बोध होना चाहिए। बिना साधना मनुष्य अपना मूल नहीं खोज सकता। कलियुग में राम का नाम कल्पतरू के समान कल्याणकारी है।राम कथा कलियुग में सब मनोरथों को पूर्ण करने वाली कामधेनू गौ है और संजीवनी जड़ी है। पृथ्वी पर यही अमृत की नदी है, जन्म-मरण रूपी भय का नाश करने वाली है। अगर मनुष्य के जीवन में सरलता व परोपकारिता आ जाए तो भगवान की प्राप्ति जरूर होगी। परोपकार से बड़ा कोई पुण्य नहीं होता है और दूसरों को दुख देने से बड़ा कोई दूसरा पाप नहीं हो सकता। माता- पिता की आज्ञा को हमेशा शिरोधार्य करना चाहिए। राम कथा वह दर्पण है, जो सच्चाई का दर्शन कराती है। श्रीराम नाम के उच्चारण मात्र से जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है। जिसने श्रीराम के जीवन चरित्र को समझ लिया और एक अंश भी अपने जीवन में ग्रहण कर लिया तो उसका जीवन सार्थक हो जाएगा। श्रीराम का नाम भवसागर पार लगाने में सक्षम है। श्रीराम कथा में अनेक चरित्र ऐसे हैं जिनसे प्रेरणा ली जा सकती है। श्रीराम कथा के पारायण और श्रवण से जीवन में शांति आएगी।श्रीराम कथा सुनने वाले के जीवन में निश्चित रूप से सार्थक परिवर्तन होता है। भक्ति का अर्थ है भगवान से कभी कुछ न मांगना और स्वयं समर्पित भाव से सेवक बने रहना। योगी और ज्ञानी बनना सरल है, लेकिन सेवक बनना कठिन है। भक्ति ऐसा तत्व है जो जीव को परमात्मा के निकट ले जाता है।यह मानव शरीर छूटने के लिए मिला है बंधने के लिए नहीं। मानव जन्म का प्रतिफल प्रवृत्ति नहीं, निवृत्ति है। इसलिए परिवार के पोषण के साथ - साथ दीन - दुखियों की अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा करनी चाहिए। इसे अपने दैनन्दिन क्रम में जोड़ना चाहिए।

सहायता शिविर

राजकोट में दिव्यांग सहायता शिविर

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में अरोड़ा परिवार (राजकोट) के सौजन्य से हरि हर सोसायटी कम्यूनिटी हॉल में 10 मार्च 2019 को जन्मजात पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन एवं जरुरतमंद दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरण व कृत्रिम अंग नाप शिविर संपन्न हुआ।शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि शहर प्रमुख श्री कमलेश भाई मिराणी ने किया। अध्यक्षता क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष पी. टी जड़िजा थे। विशिष्ट अतिथि भाजपा उपाध्यक्ष श्री राजु भाई अधेरा थे। शिविर में 214 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से पी एण्ड ओ डॉ. हिना पटेल ने 30 दिव्यांगों का ऑपरेशन के लिए चयन किया गया।शिविर में 20 ट्राई साइकिल, 5 व्हील चेयर व 25 जोड़ी बैसाखी वितरित की गईं। 9 दिव्यांगों के कृत्रिम हाथ - पांव बनाने के लिए नाप लिए गए। अतिथियों का स्वागत प्रभारी विनोद चौबीसा ने किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

शिरपुर में ऑपरेशन चयन

नारायण सेवा संस्थान एवं आर.सी पटेल मेडिकल फॉउन्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में 26 फरवरी 2019 को शिरपुर (महाराष्ट्र) आर.सी.पटेल जिमखाना ग्राउंड, में विशाल निःशुल्क दिव्यांगजन ऑपरेशन जॉच चयन एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर संपन्न हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक श्री काशीराम जी बेचान, नगर सेवक श्री हर्षद जी राजपूत एवं मर्चेन्ट बैंक के चेयरमैन श्री प्रसन्न जी जैन ने किया। विशिष्ट अतिथि बालाजी सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष श्री गोपाल जी भण्डारी तहसील कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री प्रभाकर राव जी, प्रियधर सेमी स्पीनिंग मील के चेयरमैन श्री भूपेश भाई पटेल, वाइस चेयरमैन श्री जयवाल भाई पाडची, जिला जैन समाज के अध्यक्ष श्री नवनीत जी जैन, शिरपुर नगर पालिका अध्यक्ष जय श्री बेन पटेल, जिला परिषद सदस्य कल्पना जी राजपूत, पूर्व जिला परिषद सदस्य श्री बसन्त जी पाटिल, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव श्री तपन भाई पटेल, उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी धूले श्री सुभाष दादा कुलकर्णी, धूमिल जी जैन व श्री प्रकाश जी गुरव उपस्थित थे। शिविर में 586 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से 82 का निःशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन किया गया। संस्थान के पी एंड ओ डॉ. पंकज कुमार ने परीक्षण कर 65 दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व 140 कैलीपर बनाने का नाप लिया। शिविर में 15 दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल, 5 व्हील चेयर व 25 बैसाखी की जोड़ियां प्रदान की गई,स्वागत फतेह सिंह चौहान ने किया।

सीलमपुर में उपकरण वितरित

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में सीलमपुर (दिल्ली) में 10 फरवरी को टीआरआई न्यूट्रीएंट्स प्रा. लि के सौजन्य से दिव्यांगजन की सहायतार्थ निःशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन शिविर आयोजित किया गया। जिसमें डॉ दीपेन्द्र ने सभी पंजीकृत 72 दिव्यांगजन की जांच की, जिनमें से ऑपरेशन योग्य 9 का चयन किया गया।मुख्य अतिथि टीआरआई न्यूट्रीएंट्स प्रा. लि की डायरेक्टर श्रीमती सुमन सिंह तथा विशिष्ट अतिथि दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री श्री हारुन युसुफ, कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष श्री लवली सिंह, पूर्व विधायक श्री विपिन शर्मा, समाज सेवी श्री सौरभ गौड़ व श्री मुकेश ओझा थे। शिविर में जरूरतमंद को 10 ट्राईसाईकिल, 5 व्हील चेयर व 20 बैसाखी व अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। साधक हरिप्रसाद लढ्ढा व मुकेश त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत किया।

मुरैना में क्लब फुट चयन

राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत मुरैना (म.प्र) में 10 फरवरी को संपन्न हुए क्लब फुट (जन्मजात मुड़े हुए पैर) शिविर मे नारायण सेवा संस्थान के प्रोस्थेटिक डॉ मानस रंजन साहू ने पंजीकृत 85 बच्चों में से ऑपरेशन के माध्यम से विकृति सुधार हेतु 42 का चयन किया। जिनके निशुल्क ऑपरेशन शीध्र ही संस्थान में संपन्न होंगे। इस शिविर का आयोजन मुरैना जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया। शिविर की मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर श्रीमती प्रियंका दास थी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीके गुप्ता, सर्जन डॉ. अनिल सक्सेना, समाजिक न्याय विभाग के प्रभारी एस.के जैन, बीएचयू डॉ उदय प्रिया, डॉ आशीष अग्रवाल, भी मौजूद थे। संस्थान साधक गजेन्द्र जणवा व रमेश चन्द्र जणवा ने अतिथियों का स्वागत किया।

युगांडा में चिकित्सा शिविर

नारायण सेवा संस्थान, युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय और होइमा रीजनल रेफरल हॉस्पीटल के सहयोग से 3 से 9 मार्च तक दिव्यांगो के लिए 13 वां शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित किया। शिविर के माध्यम से 100 से अधिक बच्चों को सुधारात्मक सर्जरी और ऑपरेशन के बाद अन्य सहायता प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया ताकि वे बिना किसी शुल्क के विकलांगता के अभिशाप से छुटकारा पा सकें। संस्थान ने दिव्यांगों की शल्य चिकित्सा के साथ जरुरतमंद दिव्यांगो को व्हील चेयर, ट्राईसाइकिल, सीपी चेयर, कृत्रिम अंग और अन्य सहायक उपकरण भी शिविर में वितरित किए।

कथा ज्ञान यज्ञ

शहर-गांव भक्ति की रसधार

में 19 से 25 फरवरी तक आयोजित दिव्यांगों की सहायतार्थ सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में कथा वाचिका पूज्या प्राची देवी जी ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मन शिक्षा से नहीं दीक्षा से नियंत्रित होता है। दीक्षा का अर्थ है दिखाई देना। जब तक मनुष्य वास्तविक धर्म से नहीं जुड़ जाता तब तक उसका मन परिवर्तित नहीं हो सकता। कथा का गुणगान सचिदानंद है। इसका आशय सत्य, चित्त और आनंद है। कथा करने और श्रवण से यह तीनों प्राप्त होते हैं। कलियुग में जहां अनेक प्रकार की बुराइयां हैं, उनसे समाज को मुक्त करने का पवित्र और आध्यात्मिक साधन श्रीमद् भागवत है। उन्होंने कहा कि जीवन का सार आत्मकल्याण है। जिस प्रकार बहुमूल्य रत्न मिलने पर उसे सागर में फेंककर पुनः प्राप्त करना दुर्लभ होता है, ठीक उसी प्रकार मनुष्य जन्म भी दुर्लभ है। इसलिए मनुष्य जीवन को पाप व व्यसन में व्यर्थ न करें। अपने क्रोध पर हमेशा काबू रखना सीखें। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आस्था चैनल पर किया गया। संचालन निरंजन शर्मा ने किया।

मन पर नियंत्रण से मिलेगा मोक्ष

मन ही है जो व्यक्ति को बंधन में बांधता है। मनुष्य अगर ईश्वर की शरण में जाय तो उसे मोक्ष मिलता है और सांसारिक मोह - माया में उलझ जाता है तो बंधन में बंध जाता है। ये विचार नारायण सेवा संस्थान द्वारा रतन कॉलोनी, करोंद-भोपाल (म.प्र)

जिससे प्रभु प्राप्ति हो वही साधना श्रेष्ठ

जिस साधना के द्वारा भगवान की प्राप्ति हो जाए वहीं श्रेष्ठ है। जो प्राणी भगवान की कथा प्रसंग से विमुख रहता है उसे संसार में फंसना ही पड़ता है। ये विचार नारायण सेवा संस्थान द्वारा मथुरा (उ.प्र) के राधेश्याम आश्रम में 5 से 11 मार्च तक आयोजित सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास पूज्य श्री मुकुंद हरि जी महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का मन चंचल जरूर था, मगर इच्छा शक्ति मजबूत थी। यदि हम भी मन में अच्छे विचारों के बीज बोएं, जिससे मन जागृत होगा और जीवन को समझने का ज्ञान प्राप्त होगा। कथा का सीधा प्रसारण साधना चैनल पर किया गया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सेवायात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (5)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन परमपूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का माता-पिता श्रीमती सोहनी देवी-मदनलाल जी अग्रवाल के सेवा-संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय और उदाहरणीय है। संकल्पित और समर्पित सेवा धर्म ने उन्हें सामाजिक व धार्मिक सेवा क्षेत्र में अनेक सम्मानों से विभूषित किया। जिसमें भारत सरकार द्वारा पद्मश्री एवं संत समाज द्वारा 'आचार्य महामण्डलेश्वर' सम्मान भी शामिल है। बचपन से ही सेवा के संस्कारों से पल्लवित कैलाश जी के अत्यन्त निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी गोयल ने अनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' नामक पुस्तक में अत्यन्त सहज, सरल और भाव प्रणव भाषा में लिखा है।

देश आजाद हुआ ही था। स्वतन्त्रता सैनानियों व क्रान्तिकारियों के किस्से आम थे। मदन का क्रान्तिकारियों के प्रति बहुत लगाव था। वो क्रान्तिकारियों के कारनामों की पुस्तकें पढ़ता और बच्चों को सुनाता। मन्मथनाथ गुप्त स्वयं बहुत बड़े क्रान्तिकारी थे, उनकी पुस्तकें मदन को विशेष प्रिय थीं। इसी वजह से मदन को किसी बात से डर नहीं लगता था। हवेली पुरानी और अन्धकार पूर्ण थी इसलिए सांप-बिच्छुओं का डेरा था। कभी कहीं सांप निकलता तो मदन निडरता से उसे पकड़ कहीं छोड़ आता। बच्चे सहम कर छुप जाते मगर सांप पकड़े जाते ही उसे देखने बाहर निकल आते। निडरता के साथ करूणा भी मदन में कूट-कूट कर भरी थी। इसका सर्वाधिक प्रभाव कैलाश पर ही पड़ा प्रतीत होता था। आये दिन मदन छोटी मोटी मदद करता ही रहता था। एक बार किसी ने उससे स्कूल के कुछ गरीब बच्चों को ड्रेसें दिलवाने का अनुरोध किया, मदन से जितना बन सकता था उतना किया, अन्य लोगों ने भी मदद की फिर भी सिर्फ15 बच्चों की ही ड्रेसों की व्यवस्था हो पाई। मदन इस बात से दुखी हो गया कि जिन बच्चों को ड्रेसें नहीं मिली उन बिचारों के मन पर क्या गुजरी होगी। उसने जी कड़ा करके अपने हाथ में पहनी सोने की अंगूठी दे दी और बाकी बच्चों को भी ड्रेसें दिलाने को कहा। इस घटना का कैलाश के बाल मन पर बहुत असर पड़ा।

अक्सर मदन को दुकान की उगाही वसूलने जाना पड़ता था। वह साईकिल ले कर आस-पास तथा दूर दराज के गांवों में इस कार्य हेतु निकल पड़ता था। एक गरीब महिला ने दो साल से पैसे नहीं चुकाए थे। मदन ने सख्ती की तो उसने अपने कान की बालियां उतार कर दे दी। मदन बालियां ले तो आया, पर उस रात उसे नींद आई, बार बार उस महिला का लाचार चेहरा उसके दृश्यपटल पर डूबता-उतरता रहा। अगले दिन सुबह होते ही सोहनी से यह बात कही तो सोहनी ने बालियां वापस लौटाने को कहा। मदन के मन की दुविधा समाप्त हो गई। वह वापस बालियां लौटा कर आया तभी उसके मन को शांति मिली। कैलाश यह सब देखता रहता और मन ही मन ऐसा ही कुछ करने का संकल्प करता रहा। मदन सहृदय था तो बड़ा भाई देवीलाल कुछ सख्त और अनुशासन प्रिय था। कैलाश स्कूल से लौटने के बाद थोड़ा समय दूकान पर व्यतीत करता था। छोटा-मोटा काम बताया जाता तो दौड़ कर देता था। एक दिन देवीलाल ने कैलाश को एक पर्ची दी जिस पर दो तीन नाम लिखे थे। इनसे उगाही कर पैसे लाने थे। किसी से रूपया किसी से दो रूपया वगैरा। सब आस पास ही रहते थे। कैलाश दौड़ा-दौड़ा इनसे पैसे ले आया था लेकिन रास्ते में एक पाई कहीं गिर पड़ी। कैलाश ने पैसे गिने तो एक पाई कम, वह डर गया कि अब ताऊजी के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। यह बात अपने बापूजी को बताई तो उन्होंने अत्यन्त शांति से कहा कि गलती तो तेरे से हो गई है, ताऊजी डांटेंगे यह भी निश्चित है, मगर वो डांटेंगे तू जाजम मत छोड़ना।।

क्रमशः

प्रेरणा

विवाह की अनूठी मिसाल

108 कन्याओं को भोजन, गीता भेंट

नारायण सेवा संस्थान उदयपुर के हरियाणा व उत्तराखंड के प्रांतीय प्रभारी नरवाना निवासी धर्मपाल गर्ग ने अनूठी मिसाल पेश की है। बेटी काजल की शादी से 1 दिन पूर्व 13 फरवरी को 108 कन्याओं का विधिवत पूजन करके उन्हें भोजन करवाया और धार्मिक ग्रंथ गीता की प्रति भेंट कर बेटियों को शिक्षित होने का संदेश दिया।

इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, शाखा विभाग के प्रभारी श्री राजेंद्र सोलंकी, बिलासपुर (छत्तीसगढ) संस्थान के शाखा के संयोजक डॉ योगेश गुप्ता भी मौजूद थे। धर्मपाल गर्ग व माता सुषमा गर्ग ने बताया कि उनका मकसद समाज को प्रेरणा देना है ताकि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान के प्रति लोग जागरूक बनें। संस्थान की फरीदाबाद शाखा के संयोजक श्री नवल किशोर गुप्ता अलवर शाखाध्यक्ष श्री आर एस वर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद थे।

दिव्यांगजन की चिकित्सा में सहायता के लिए आपश्री का हार्दिक आभार

श्री हरिहर नाथ उपाध्याय
गोरखपुर (उ.प्र.)

श्रीमती सविता महाजन
नई दिल्ली

श्री इन्द्रराज गोयल
दिल्ली

Bansal Wires Pvt. Ltd
Kanpur (U.P.)

श्रीमती संतोष कुमारी जैन
दिल्ली

स्व.श्री परमानन्द जी
बैंगलोर (कर्नाटक)

श्री सुन्दर लाल वैश
लखनऊ (उ.प्र.)

श्री चन्द्रकांत जोशी,कोल्हापुर
(महाराष्ट्र)

साईं भक्त वैंकटेशन
तिरूचिरापल्ली(त.ना.)

श्री सुब्रहमण्यम् आचार्य
श्रीमती के. स्वर्णा
हैदराबाद (तेलंगाना)

श्री एवं श्रीमती लाल चन्द सोमाणी
भीलवाड़ा (राजस्थान)

श्री मुकूट बिहारी-श्रीमती रूकमणी देवी अग्रवाल
भरतपुर (राजस्थान)

श्री अमर नाथ-श्रीमती शशि सहाय, दिल्ली

श्री पुरूषोत्तम जी-
श्रीमती इंदूमती बेन
विद्यानगर (गुजरात)

श्री रमन भाई पटेल एवं
श्रीमती शारदा बेन पटेल
हैदराबाद (तेलंगाना)

स्व.श्री ज्ञानचन्द जैन-
श्रीमती सुमित्रा देवी
बैंगलोर (कर्नाटक)

श्री एवं श्रीमती मनोहर पत्रुजी बोदलवार
गढ़चिरौली (महाराष्ट्र)

श्री राजिन्द्र पाल बासल-
श्रीमती चांद रानी
मुक्तसर (पंजाब)

श्री श्रवण कुमार-
श्रीमती राज कुमारी
पलवल (हरियाणा)

श्री उत्तम शिवरूद्र जी
झांगणी (महाराष्ट्र)

श्री सोमा भाई पटेल
सूरत (गुजरात)

श्री विठ्ठल भाई पटेल
सूरत/कनाडा

श्री बाबूभाई मंगलदास-श्रीमती सरोज बेन, नडियाड (गुजरात)

स्व.श्री जमना दास नरूला
श्रीमती कृष्णा नरूला, दिल्ली

श्री खिलावन राम सिन्हा
श्रीमती कामीन बाई, दुर्ग (छ.ग.)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

Donate

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की करें मदद - बनें पुण्य के भागी

संस्थान के सभी सेवा प्रकल्पों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए दानी सज्जनों की आवश्यकता है। आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

क्र.सं.	दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की संख्या	प्रति ऑपरेशन (धर्म माता-पिता)	प्रति ऑपरेशन दवाई	एक माह				सहयोग राशि (रु)	सर्वांग सेवा एक मुश्त सहयोग राशि(रु)
				भोजन	शिक्षा	हुनर	स्पोर्ट्स		
01	1	5000	1100	1500	500	400	600	9100	8100
02	2	9500	2200	3000	1000	800	1200	18200	16200
03	3	13000	3300	4500	1500	1200	1800	27300	24300
04	5	21000	5500	7500	2500	2000	3000	45500	40500
05	11	45000	12100	16500	5500	4400	6600	99500	89100
06	21	85000	23100	31500	10500	8400	12600	191100	170100
07	51	190000	56100	76500	25500	20400	30600	464100	413100

बनें नित्यदानी पालनहार भामाशाह

मासिक पालनहार भामाशाह	त्रैमासिक पालनहार भामाशाह	अर्द्धवार्षिक पालनहार भामाशाह	वार्षिक पालनहार भामाशाह

आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

'नि:शुल्क दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ सामूहिक विवाह समारोह' हेतु करें सहयोग

जोड़ा संख्या	मेहंदी	श्रृंगार	पोशाक	बिन्दौली वरमाला	वर-माला	पणि-ग्रहण संस्कार	उपहार	बारात आवा-गमन	भोजन (6 व्यक्ति) 3 दिन	कुल सहयोग राशि (रु)	आंशिक कन्या दान (एक मुश्त)	कन्या दान धर्म माता-पिता (एक मुश्त)
1	1000	5500	6500	3100	1100	10000	16800	5000	6000	55000	21000	51000
2	2000	11000	13000	6200	2200	20000	33600	10000	12000	110000	42000	102000
3	3000	16500	19500	9300	3300	30000	50400	15000	18000	165000	63000	153000
5	5000	27500	32500	15500	5500	50000	84000	25000	30000	275000	105000	255000
11	11000	60500	71500	34100	12100	110000	184800	55000	66000	605000	231000	561000
21	21000	115500	136500	65100	23100	210000	352800	105000	126000	1155000	441000	1071000
51	51000	280500	331500	158100	56100	510000	856800	255000	306000	2805000	1071000	2601000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

शिविर सहयोग

आपश्री अपने जन्म स्थल या कर्म भूमि पर शिविर का आयोजन कराकर पीड़ित मानवता की सेवा करें।

क्र.सं.	शिविर प्रकार	सहयोग राशि
01	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन शिविर	51000
02	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन एवं उपकरण वितरण शिविर	151000
03	विशाल निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण एवं वितरण शिविर	500000
04	विशाल निःशुल्क दिव्यांग शल्य चिकित्सा शिविर	700000
05	विशाल निःशुल्क अन्न, वस्त्र एवं दवा वितरण शिविर	101000

आजीवन संरक्षक

आजीवन संरक्षक सहयोग राशि - 51000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।

2- आपश्री वर्ष में 2 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।

3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 8 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।

4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।

5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।

6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।

7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।

8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।

9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

आजीवन सदस्य

आजीवन सदस्य सहयोग राशि - 21000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।

2- आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।

3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 3 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।

4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।

5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।

6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।

7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।

8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।

9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

हृदय रोग एवं गम्भीर बीमारियों से पीड़ित मासूमों के लिये करें सहयोग

संख्या	सहयोग राशि
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु प्रारम्भिक सौजन्य	1,25,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु आंशिक सौजन्य	31,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु दवाई सौजन्य	21,000

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-0294-6622222

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ अथवा दिवंगत परिजनों की पुण्यस्मृति में दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु सहयोग कर इस दिन को यादगार बनायें....यह राशि संस्थान के कॉरपस फण्ड(स्थायी निधि) में जाती है, जिसके ब्याज से प्राप्त राशि से आजीवन वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग करवाई जायेगी । आपश्री स्वयं पधारकर अपने कर-कमलों से निवाला खिलायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000
02	दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000
03	एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000
04	नाश्ता सहयोग राशि	7000

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

क्र.सं.	दिव्यांग सहायक उपकरण	1 नग	2 नग	3 नग	5 नग	11 नग
01	श्रवण यंत्र	750	1500	2250	3750	8250
02	वैशाखी	500	1000	1500	2500	5500
03	वॉकर	1100	2200	3300	5500	12100
04	केलीपर	2000	4000	6000	10000	22000
05	व्हील चेयर	4000	8000	12000	20000	44000
06	तिपहिया साईकिल	5000	10000	15000	25000	55000
07	कृत्रिम हाथ/पैर	10000	20000	30000	50000	110000
08	स्कूटी	85000	170000	255000	425000	935000

एनएसएस पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी

(वॉलीबॉल, बॉस्केटबॉल, बैडमिन्टन, चैस, टेबलटेनिस)

भारत के प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधा उदयपुर में प्रदान करने हेतु संस्थान द्वारा एनएसएस पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा हैं जिसमें सभी प्रकार के खेलों में खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कोच द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस हेतु 27 बीघा (लगभग 9 एकड) जमीन ली गई हैं, जिसके लिए भूदानियों एवं निर्माण सहयोगियों की आवश्यकता हैं। आपश्री भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनने का सुअवसर प्राप्त कर सकते हैं। आपका शुभनाम शिलालेख पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जायेगा। इस एकेडमी पर तकरीबन 10 करोड़ का खर्च आना हैं। अतः भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनकर अधिक से अधिक सहयोग कर दिव्यांग बच्चों को ओलम्पिक के लिए प्रशिक्षित करने हेतु प्रोत्साहित करायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	भूदान सहयोगी	21000 रूपये
02	निर्माण सहयोगी	51000 रूपये

दानवीर भामाशाह

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 7 वर्ष रहेगी।
2.आपश्री वर्ष में 4 बार 6 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 28 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 4 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 2 बार 3 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 10 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 5 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 3 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 15 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 3 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 4 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

नारायण सेवा संस्थान

नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

आगरा (उ.प्र.)
श्री सुरेश कुमार जी
मो. 09837371298
बी-41, बालाजी पुरम, अलबतियाँ रोड़,
शाहगंज, पो.-भोगीपुरा, आगरा (उ.प्र.)

जयपुर, चौगान स्टे.
श्री मनीष कुमार खण्डेलवाल
मो. 8696002432, बी-16
गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम
के पीछे, गणगौरी बाजार, जयपुर (राज.)

प्रयागराज
श्री बदरी लाल शर्मा
मो. 09983674371
बिल्डिंग नं. - 191-बी/1ई, लक्ष्मी निवास
राजरूपुर, इलाहाबाद

वाराणसी
श्री रमेश चन्द लालवानी
मो. 09415228263
सी-19, भुवनेश्वर नगर कॉलोनी, वाराणसी

राजकोट
श्री तरूण नागदा
मो. 09529920083
भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी
चौक शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं.
15/2 युनीवसीटी रोड़, राजकोट (गुजरात)

चण्डीगढ़
श्री ओमप्रकाश गौतम, मो. 9316286419
म.नं.-3658, सेक्टर-46/सी, चण्डीगढ़

कोलकाता
श्री प्रकाश नाथ मो. 09529920097,
श्री मुकेश भटनागर, मो. 07412060406
म.न.-226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुरुग्राम
श्री मूल शंकर मेनारिया
मो.-09529920084, 07023101162
973/3 गली न. 3 राजीव नगर ईस्ट,
राज टेलर के सामने, गुरूग्राम (हरियाणा)

पूणे
श्री सुरेन्द्रसिंह झाला, मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

मुम्बई
श्री ललित लौहार, मो. 9529920088
श्री मुकेश सैन, मो.- 09529920090
श्री जमना शंकर, मो.-09529920089
श्री आनन्द सिंह, मो. 07073452174
एफ 1/3, हरि निकेतन सोसायटी,
सीएचएस लि., अपोजिट बसन्त1
गैलेक्सी, गौरेगांव वेस्ट, मुम्बई

लुधियाना
श्री दौलत राम, मो. 07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग
भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

जालना (महाराष्ट्र)
श्रीमती विजया भूतड़ा, मो. 02482-233733

बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ. योगेश गुप्ता, मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर (छ.ग.)

महोबा शाखा
श्रीमान राम आसरे-मो.-9935232257
सिन्धी कॉलोनी, गाँधीनगर-महोबा (उ.प्र.)

जुलाना मण्डी
श्रीराम निवास जिन्दल,
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878, 108
अनाज मण्डी, जुलाना, जींद (हरियाणा)

धनबाद (झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द, पो.-
गोसाई बलिया, जिला-हजारीबाग (झारखण्ड)

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

पावोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

शाहदरा शाखा
श्रीमान विशाल जी अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा, ईस्ट दिल्ली

बालोतरा (राज.)
श्री चेतनप्रकाश गोयल/9460666142
उज्जवल भवन, बाडमेर कलेण्डर
रोड़, बालोतरा

नागपुर
श्री हेमन्त मेघवाल, मो. 09529920092
पी.एन. 37, गोरारले लेआउट, बस स्टेण्ड
के पास, गोपाल नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)

नरवाना (हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग, मो.-09466442702,
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014
165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना, जीन्द

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा, मो. 09549503282
अंचल फाउण्डरी, स्टेशन रोड़, सुमेरपुर, पाली

अम्बाला केन्द
श्री मुकुट बिहारी कपूर, मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला
केन्द, अम्बाला केन्द-133001 (हरियाणा)

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता, मो. 9829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी
चित्तौड़ रोड़, बून्दी (राज.)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा, मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

मुम्बई
श्री कमलचन्द लोढ़ा, मो. 08080083655
दुकान नं 660, आर्किडसिटी सेन्टर, द्वितीय
मंजिल, बेस्ट डिपो के पास, बेलासिस
रोड़, मुम्बई सेन्ट्रल (ईस्ट) 400008

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा, मो. 08899366480
09027026890, 1, द्वारिकापुरी, कंकाली, मथुरा (उ.प्र.)

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश जी मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20, पार्ट-द्वितीय, सिरसा, हरि.

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता, मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़, वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी, न.-028847991
9029643708, 10-बी/बी, वाईसराय
पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

मुम्बई (कान्दिवली)
श्री चिमनभाई मेहता, मो. 09930356227
56/58 जनसुख अपार्टमेन्ट, 5 फ्लोर, कस्तूरबा
रोड़, मुम्बई कान्दिवली (प.) 400067

हापुड़ (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द्र, मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल, मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)

हमीरपुर
श्री रसील सिंह मनकोटिया, मो. 09418061161
जामलीथाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा, मो. 09828242497
5-C, उन्नति एक्सलेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,
झोटवाड़ा, जयपुर 302012 (राजस्थान)

आकोला
श्रीमान हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

आगरा शाखा
श्रीमान ओम प्रकाश जी अग्रवाल
मो.नं. -9897068974, 64ए ओल्ड
विजयनगर कॉलोनी, आगरा (उ.प्र.)

काठमाण्डू, नेपाल
श्री संदीप माखरिया, 09779851021098

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन, मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र,
मेन रोड़ सदर थाना गली,
हजारीबाग (झारखण्ड)

खरसिया
श्री बजरंग बंसल, मो.-09329817446
शान्ति ड्रेसेज, नियर चन्दन तालाब
शनि मन्दिर के पास, खरसिया (छ.ग.)

नांदेड़ (सेवा प्रेरक)
श्री विनोद लिंबा राठोड, 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी,
किनवट, जिला - नांदेड़, महाराष्ट्र

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,
मो.-09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल, मो. 09425536801

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा,
मो.-09024749075, के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया, बाग अलवर (राज.)

कैथल
श्री सतपाल मंगला,
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,
मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040 (हिमाचलप्रदेश)

भोपाल
श्री विष्णु शरण जी सक्सेना,
मो. 09425050136
A-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल (म.प्र.)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

रायपुर
श्री भरत पालीवाल, मो. 7869916950
मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी
टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर, पो.-शंकरनगर, रायपुर, छ.ग.

अम्बाला
श्री शिव कुमार, मो. 07023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड
कोलोनी अरबन स्टेट के पास,
सेक्टर-7 अम्बाला (हरियाणा)

देहरादून
श्री मुकेश जोशी, मधुर विहार, 7023101175
फेज-2, बंजारावाला रोड़, बंगाली कोठी
के पास, देहरादून-248001

रोहिणी
श्री वेद प्रकाश शर्मा मो.-08588835719
श्री प्रवंजन साहु मो.-08588835718
सी-7/232, सेक्टर-8, स्वीमिंग पूल
के पास, रोहिणी, दिल्ली-85

लोनी
दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
साधक : धर्मेश गर्ग, 7023101156
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी
सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला,
चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास
लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)

मथुरा
श्री नवनीत सिंह पंवार, मो.-7023101163
77-डी, कृष्णा नगर, मथुरा (उ.प्र.)

मोदीनगर, यू.पी.
भानू तंवर,
एस.आर.एम. कॉलेज के सामने,
मॉर्डन एकेडमी स्कूल के पास, मोदीनगर

बड़ौदा
श्री जितेश व्यास
मो. 09529920081
म.नं.-बी-13 बी, एस.टी. सोसायटी,
टीबी हॉस्पीटल के सामने,
गोत्री रोड, बड़ौदा - 390021

हाथरस
श्री जे.पी. अग्रवाल, मो. 09453045748
एलआईसी बिल्डींग के नीचे, अलीगढ़
रोड, हाथरस (यू.पी.)

शाहदरा, दिल्ली
डॉ. राजीव मिश्रा, बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, दिल्ली-32

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807, गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने
करनाल रोड़, कैथल

गाजियाबाद
श्री भंवर सिंह राठौड़
मो. 08588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद (उ.प्र.)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र, नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, नारायण कृत्रिम अंग निर्माण एवं केलिपर सृजन वर्कशॉप

अहमदाबाद
श्री कैलाश चौधरी
मो. 09529920080
सी-5, कौशल अपार्टमेन्ट,
शाहीबाग अण्डर ब्रीज के नीचे,
शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात)

3/28, गुजरात हाऊसिंग सोसायटी नियर
बापू नगर पुलिस स्टेशन अहमदाबाद (गुजरात)

हैदराबाद
श्री महेन्द्रसिंह रावत, 09573938038
4-7-123, लीलावती भवन
संतोषी माता मंदिर के पास,
इसामिया,बाजार, हैदराबाद

बैंगलोर
श्री खुबीलाल मेनारिया, मो.: 09341200200
म.नं.-507/4, (129-2) न्यू डायगोनल रोड़,
भीमा ज्वेलर्स के पीछे 3-ब्लॉक,जयानगर, बैंगलूरू

इन्दौर
श्री जितेन्द्र पटेल, 09529920087
जी-1, विनीत श्री सम्पदा, 14 कल्पना लोक
कॉलोनी, चन्द्रलोक रिक्शा स्टेण्ड गली, आनन्द
बाजार के पास,खजराना मैन रोड़, इन्दौर

फतेहपुरी , दिल्ली
श्री जतनसिंह भाटी,मो.- 8588835711
09999175555, कटरा बरियान,
अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

सूरत
श्री अचल सिंह,मो. 09529920082,
27, सम्राट टाऊन शीप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया

2/865 हीरा मोदी गली सगरामपुरा,
सब जेल के सामने,रिंग रोड,सूरत

अलीगढ़
श्री योगेश निगम,मो. 7023101169
एम.आई.जी. -48,विकास नगर
आगरा रोड़, अलीगढ़ (यू.पी)

कोरबा
श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको
नगर, जिला-कोरबा (छ.ग.)

जयपुर
श्री विक्रम सिंह चौहान
मो. 9928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी
हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर
बी-50-51 सनराईज सिटी,
मोक्ष मार्ग निवारू
झोटवाड़ा,जयपुर

आगरा
श्री ज्ञान गुर्जर
मो. 7023101174
127, नोर्थ विजय नगर कोलोनी
राधा कृष्ण मन्दिर के पास, पंजाब
नेशनल बैंक के पीछे,आगरा (उ.प्र.)

मानव जी के प्रेरणा पुंज

स्व. आचार्य श्री राम शर्मा एवं
भगवती देवी जी

श्री मानव जी के पूज्य पिताश्री
स्व. श्री मदन लाल जी एवं
मातुश्री सोहिनी देवी जी

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी
'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ
समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विषेशज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गौरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव
(पाली)

संस्थान के परम
संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
यूके

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी

आपश्री से विनम्र अनुरोध है कि ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धन परिवारों के बच्चों को शिक्षा हेतु अपना योगदान प्रदान करें ताकि आपश्री के आशीर्वाद एवं योगदान से ये बच्चे आत्म निर्भर होकर देश के विकास में सम्मान के साथ अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

1. एक बच्चे की शिक्षा हेतु दानराशि (कक्षा के जी से बारहवीं तक 4.5 लाख रूपये)
2. एक कक्षा (20 बच्चों) की शिक्षा हेतु दान राशि 1 वर्ष के लिए 6 लाख रूपये
3. सम्पूर्ण बैच (20 बच्चों) की (केजी से बारहवीं) तक की शिक्षा हेतु दान राशि 90 लाख रूपये
4. एक बच्चे का शिक्षा, भोजन, स्टेशनरी आदि का सम्पूर्ण मासिक खर्च 3000 रूपये
5. एक बच्चे का सम्पूर्ण खर्च 36 हजार रूपये

आपकी अपनी संस्था

दीन-दुःखियों की सेवा में 24 घण्टे सेवारत संस्थान/ट्रस्ट जिसमें निःशुल्क सेवा की जाती है। इस सेवाकार्य में आपश्री का एक सहयोग किसी दीन-दुःखी, दिव्यांग के चेहरे पर अपार खुशियाँ ला सकता है। आज ही जुड़ें इस सेवा कार्य में-मान्यवर।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
ALLAHABAD BANK	-3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS BANK	-UitCircle	UTIB0000097	097010100177030
BANK OF INDIA	-H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
BANK OF BARODA	-H.M,Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Arihant Complex Plot No. 16, Thoran Banwre City Station Marg,udaipur	MAHB0000831	60195864584
CANARA BANK	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	-16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
KOTAK MAHINDRA BANK	-8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YESBANK	-GoverdhanPlaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- **आस्था** 9.00 am- 9.20 am, 7.40 pm- 7.55 pm
- **संस्कार** 7.50 pm- 8.10 pm
- **आस्था** 7.40 am- 8.00 am
- **जी.टी.वी.** 5.00 am- 6.00 am
- **पारस टी.वी.** 4.20 pm- 4.38 pm
- **अरिहन्त** 7.30 pm- 7.50 pm
- **(सत्संग)** 7.10 pm- 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- **संस्कार** 7.40 pm- 8.00 pm
- **आस्था (यू.के/यू.एस.ए.)** 8.30 am- 8.45 am
- **जी.टी.वी.** 8.30 am- 8.45 am
- **एम.ए.टी.वी. (यू.के)** 8.30 am- 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- **JUS PUNJABI** 4.30 pm-4.40 pm (Sat-Sun only)
- **APAC** 8.30 am -9.00 am
- **SOUTH AFRICA** 8.00 am -8.30 am (CAT)
- **UK** 8.30 am - 9.00 am
- **USA** 7.30 am - 8.00 am (ET)
- **MIDDLE EAST** 8.30 am -9.00 am (UAE)

सेवा-पाती (मासिक पत्रिका) मुद्रण तारीख 1 अप्रैल, 2019, आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538, पोस्टल रजिस्ट्रेशन संख्या DL (DG-II)/8087/2017-2019 (प्रेषण तिथि हर माह की दिनांक 2 से 8 दिल्ली आर.एम.एस. दिल्ली डाकघर) स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली-110006 से प्रकाशित तथा एम.पी. प्रिंटर्स नोयडा से मुद्रित। मुद्रित संख्या 3,50,000 (मूल्य) 5 रूपये

शिक्षा ज़िन्दगी की तैयारी नहीं....
शिक्षा खुद ज़िन्दगी की तैयारी है....

आपश्री के सहयोग के बिना सम्भव नहीं...

Paytm Accepted Here

क्या आप चाहते हैं? गरीब, अनाथ बच्चों का जीवन अंधकार से रोशनी की ओर हो..... तो देर किस बात की संस्थान द्वारा संचालित नारायण चिल्ड्रन ऐकेडमी के माध्यम से संवारे किसी गरीब बच्चे का जीवन...पे टीएम के माध्यम से प्रभु के इस कार्य में सहयोगी बनें....!

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें : 0294-6622222, 09649499999